खम्मा घणी...!!

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर
अक्टूबर-2022

॥ त्वं ज्ञानमयो विज्ञानमयोऽसि ॥

भारत के सन्दर्भ में भाषा की विविधता को लेकर समय-समय पर अनेक विचार प्रस्तुत किये जाते रहे हैं। जिस समय भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आम जनता के समक्ष वैज्ञानिक दृष्टिकोण को दैनिक कामकाज में स्थान देने का विचार प्रकट किया था, उसी समयांतराल में भाषा के अनुरूप देश में अलग-अलग प्रदेश गठित करने का जन-आन्दोलन भी चल रहा था। उपरोक्त दोनों कथनों में लक्ष्य प्राप्ति का मुख्य केंद्र बिंदु और साधन भाषा को ही बनाया गया। यदि इतिहास में कुछ वर्ष पीछे चला जाये तो हमें भारत की स्वतंत्रता के जन-आन्दोलन में यह देखने को मिलता है कि सम्पूर्ण भारतवासियों ने भाषा रूपी बहुल विविधताओं एवं अनेकताओं के होते हुए भी स्वतंत्रता प्राप्ति के मुख्य लक्ष्य को एकता के साथ प्राप्त किया। इसी कारण आज भी यह कथन सार्थक है - अनेकता में एकता, यही भारत की विशेषता। एक उच्च और विशिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रेरणा हमें विविधता के परे जाना सीखाती हैं। आज का समय हमें न सिर्फ विभिन्न भारतीय भाषाओं के वैज्ञानिक विकास की तरफ अग्रसर कर रहा हैं, बल्कि भारत की हर भाषा के साथ आधुनिक विज्ञान और विकास को भारत के जन-जन तक पहुँचाने की जिम्मेदारी भी दे रहा हैं | मैं आशा करता हूँ कि हम सभी हिंदी भाषा के माध्यम से इस उच्च लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रेरित होवें |

डॉ. नितिन भाटिया (हिंदी अधिकारी)

निदेशक का सन्देश

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में अक्टूबर माह के दौरान आयोजित विभिन्न गतिविधियों का विस्तृत विवरण संस्थान की हिंदी मासिक पत्रिका – खम्मा घणी में प्रकाशित किये जाने पर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। संस्थान ने आईएनएई यूथ कॉन्क्लेव 2022 का सफल आयोजन किया जिसमें देश भर के विभिन्न संस्थानों के छात्रों ने भाग लिया। वहीं संस्थान द्वारा सैंड स्टोन सम्मेलन 3.0 में बहुराष्ट्रीय कंपनियों के विभिन्न वक्ताओं और विशेषज्ञों ने भाग लिया और अपने अनुभव साझा किए जो भा.प्रौ.सं., जोधपुर के छात्रों को उद्योग जगत की नई चुनौतियों को जानने एवं उनके समाधान में मददगार साबित होंगे।

उद्भास - जल और जीवन कार्यक्रम के अंतर्गत जल की महत्ता और पेयजल संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। साथ ही, पश्चिमी राजस्थान के विभिन्न हस्तशिल्प एवं शिल्पकारों ने प्रदर्शनी में अपनी वस्तुओं के स्टॉल लगाकर प्रदर्शित किया जो इन सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों की राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में अभूतपूर्व योगदान को इंगित करता है। संस्थान में आयोजित हिंदी पखवाड़ा 2022 में संस्थान के कार्मिकों ने अत्यंत उत्साह के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया, जिससे परिणाम अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक रहे। मैं संस्थान के सभी कार्मिकों को राजभाषा से संबंधित गतिविधियों को सफल बनाने में योगदान देने के लिए बधाई देता हूं।

प्रो. शांतनु चौधुरी

उपनिदेशक के दो शब्द...

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर एक उत्कृष्ट तकनीक से निर्मित परिसर होने के साथ-साथ हरियाली और स्वच्छता को समाहित किये हुए है। परिसर में आधुनिक तकनीक पर आधारित अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र एवं जैविक अपशिष्ट प्रबंधन सुचारू रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है। इसी कड़ी में संस्थान द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा 2022 का आयोजन किया गया जिसमें आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्रों ने भाग लिया। मैं सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद देता हूं जिन्होंने सक्रिय रूप से कार्यक्रम में भाग लेकर स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम को सफल बनाया। मैं संस्थान के सभी छात्रों और कार्मिकों से यह अनुरोध करता हूं कि संस्थान में समय-समय पर परिसर की हरियाली बढ़ाने हेतु आयोजित वृक्षारोपण के विभिन्न कार्यक्रमों में अपना योगदान करें।

प्रो. संपत राज वडेरा

कुलसचिव की कलम से...

भारत सरकार की राजभाषा संबंधी नीतियों का अनुपालन एवं कार्यान्वयन करना हमारा उत्तरदायित्व है। राजभाषा गतिविधियों के संचालन की इसी कड़ी में संस्थान में हिंदी पखवाड़ा 2022 का सफल आयोजन किया गया जिसमें संकाय सदस्यों और स्टाफ सदस्यों ने सक्रिय रूप से बढ़-चढ़ कर भाग लिया। मैं विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं के साथ-साथ समस्त कार्मिकों को हिंदी पखवाड़ा 2022 के सफल आयोजन की बधाई देता हूं। खम्मा घणी का यह अंक देखकर मुझे सचमुच बहुत प्रसन्नता हो रही है। मैं पत्रिका की प्रगति के लिए सबको हार्दिक शुभकामनाऐं देता हूं।

डॉ. हरिओम यादव

स्वच्छता पखवाड़ा - 2022

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर में **1** से **15** सितंबर **2022** तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। स्वच्छता पखवाड़ा के आयोजन की शुरूआत अप्रैल **2016** से की गई थी ताकि विभिन्न समुदायों और लोगों की भागीदारी से स्वच्छता पर अमल किया जा सके। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण के अनुकूल गतिविधियों और सामग्रियों का सहारा लेकर अपने इर्द - गिर्द स्वच्छता और हरियाली को बनाये रखना है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर स्वच्छता अभियान के लिए प्रतिबद्ध है, और स्वच्छता के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए लगातार विभिन्न तकनीकी विचारों को अमल में लाते हुए स्वच्छता पर पहल कर रही हैं। संस्थान की विशेष भवन निर्माण शैली रेगिस्तान की आंधियों के साथ उड़कर आने वाली धूल-मिट्टी संस्थान की परिधी में प्रवेश को रोकने के साथ-साथ बाहरी वातावरण की तुलना में तापमान को भी संतुलित रखती है जो परिसर में उपस्थित पेड़-पौधों की वृध्दि में सहायक है। संस्थान में वर्ष भर वृक्षारोपण के विभिन्न अभियान/कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं जिससे परिसर को हरा-भरा रखा जा सके तथा मृदा अपरदन एवं मरुस्थलीकरण के विस्तार को रोका जा सके।

संस्थान में विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र, जैविक अपशिष्ट पृथक्करण और उपचार प्रक्रियाओं का विकास एवं कार्यान्वयन का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है जो आधुनिक तकनीक पर आधारित स्वच्छता कार्यक्रमों में से प्रमुख है। हमारा संस्थान वर्षा जल संचयन और पुनर्चक्रण, एक स्मार्ट जल ग्रिड, प्लास्टिक अपशिष्ट उपचार, जल अलवणीकरण और ग्रे-वाटर उपचार सहित कई सफलता की कहानियों के साथ परिसर स्थिरता परियोजनाओं के माध्यम से प्रौद्योगिकी विकास को उत्प्रेरित कर रहा है। संस्थान द्वारा विकसित इन नई तकनीकों को अपने परिसर तक सीमित नहीं रखते हुए, आस-पास के स्कूलों एवं गांवों में भी कार्यान्वित कराया जा रहा है।

स्वच्छता पखवाड़ा की गतिविधियों की श्रृंखला में इस वर्ष कार्यक्रमों एवं पुरस्कार शामिल किये गये जैसे 1. छात्रों के लिए 'इनोवेटिव वेस्ट सेग्रीगेशन एंड वेस्ट ट्रीटमेंट मेथड' के लिए बेस्ट आइडिया पुरस्कार। 2. छात्रों के लिए स्वच्छता लोगो डिजाइन और टैगलाइन प्रतियोगिता। 3. सबसे स्वच्छ छात्रावास कक्ष पुरस्कार। 4. सबसे स्वच्छ कार्यालय पुरस्कार। 5. सबसे स्वच्छ विभाग/विद्यालय/केंद्र पुरस्कार। 6. सबसे स्वच्छ 'आउटलेट पुरस्कार / ईटेरी पुरस्कार'। 6. संस्थान व्याख्यान 7. नुक्कड़ नाटक इत्यादि।

स्वच्छता पखवाड़ा का मुख्य आकर्षण कैप्टन मंजू मिन्हास द्वारा "पारिस्थितिकी तंत्र में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन चुनौतियों और अवसरों" पर दिया गया व्याख्यान रहा। कैप्टन मंजू मिन्हास भारतीय सेना में कॉर्प ऑफ इंजीनियर्स में कमीशन अधिकारी के रूप में शामिल होने वाली पहली महिला है। उनकी अंतिम नियुक्ति नोएडा प्राधिकरण के स्वच्छ भारत मिशन सलाहकार के रूप में हुई थी। कैप्टन मंजू मिन्हास ने स्रोत पर ही कचरे को अलग-अलग करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विभिन्न घटकों जैसे खाद के लिए जैविक कचरे, कीमती धातुओं के लिए ई-कचरा, पुन: उपयोग के लिए कागज, नवीनीकृत फर्नीचर के लिए लकड़ी के कचरे आदि के पुनर्चक्रण की विभिन्न संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने छात्रों और संकाय सदस्यों से रिसाइकिल प्लास्टिक, बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक, प्लास्टिक वेस्ट ट्रीटमेंट, सैनिटरी पैड और डायपर वेस्ट ट्रीटमेंट पर शोध करने का भी आग्रह किया।

संस्थान के छात्रों ने विभिन्न कार्यक्रमों में अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी अपनी प्रस्तुति दी है। जिसमें से कुछ निम्नानुसार है-

<table>
<tr><th colspan="2">लोगो डिजाइन</th><th>टैगलाइन प्रतियोगिता</th></tr>
<tr>
<td>

वेदिका धीमान, नुपर कंवर, भूमिका पिप्पल</td>
<td>

रिषभ जैन</td>
<td>"स्वच्छता है एक पहचान, मिल कर बनायें वातावरण की मुस्कान"
मौली मोनडान

"स्वच्छ रहे माटी हमारी, सुरक्षित रहे धरती सदा ही।"
मिताली सक्सेना</td>
</tr>
</table>

उप निदेशक प्रो. संपत राज वडेरा और कैप्टन मिन्हास ने सभी स्वच्छता पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया और स्वच्छता प्रतियोगिताओं के सभी विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। प्रविष्टियों का मूल्यांकन स्वच्छता समिति द्वारा किया गया।

साभार: डॉ मीनू छाबरा, नोडल अधिकारी, स्वच्छ भारत अभियान

उद्भास - जल और जीवन

जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन फाउंडेशन (JCKIF) एक सेक्शन -8 कंपनी (गैर-लाभकारी संगठन) है जिसकी स्थापना कंपनी अधिनियम 2013 के तहत 31 मार्च, 2021 को की गई। जिसका मुख्य उद्देश्य जोधपुर सिटी नॉलेज एंड इनोवेशन क्लस्टर (JCKIC) की गतिविधियों को कार्यान्वित करना है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर जेसीकेआईएफ के लिए नोडल एजेंसी है।

JCKIF प्रधान मंत्री विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सलाहकार परिषद (PM-STIAC) की सिफारिश पर विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए, भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (PSA) के कार्यालय की एक पहल है। JCKIF जोधपुर क्लस्टर के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, राष्ट्रीय और राज्य अनुसंधान प्रयोगशालाओं, सरकारी एजेंसियों, जोधपुर शहर और आसपास के उद्योगों के बीच मजबूत संबंध बनाने के लिए एक सुविधा के रूप में कार्यरत है।

JCKIF और भा. प्रौ. सं. जोधपुर ने संयुक्त रूप से भा.प्रौ.सं. जोधपुर परिसर में 24 से 26 सितंबर 2022 तक "उद्भास - जल और जीवन" (Exhibition cum Sale : प्रदर्शनी सह बिक्री) का आयोजन किया गया, जिसमें ***सतत जल स्रोत के लिए प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप और आजीविका के लिए शिल्प*** से संबंधित चल रहे कार्यों को प्रदर्शित किया गया।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री, श्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने 24 सितंबर 2022 को प्रो. शांतनु चौधुरी, निदेशक, भा.प्रौ.सं. जोधपुर, प्रो. संपत राज वडेरा, उप निदेशक, भा.प्रौ.सं. जोधपुर और डॉ. जी. एस टोटेजा, सीईओ, जेसीकेआईएफ की उपस्थिति में **'उद्भास- जल और जीवन'** का उद्घाटन किया। इसके साथ ही 'सेंटर फॉर सस्टेनेबल ड्रिंकिंग वाटर', 'धरोहर-फिजिटल क्राफ्ट म्यूजियम (शिल्प संग्रहालय)' और 'हस्तशिल्प प्रदर्शनी' का भी उद्घाटन किया गया।

धरोहर - फिजिटल शिल्प संग्रहालय भा.प्रौ.सं. जोधपुर परिसर में स्थापित किया गया है। यह भौतिक और आभासी दुनिया के बीच एक इंटरफेस का काम करता है। माननीय केंद्रीय मंत्री ने "सतत पेयजल विकास केंद्र" का दौरा किया और टीम के साथ बातचीत की और जोधपुर में पानी से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने शिल्प प्रदर्शनी का दौरा किया, जोधपुर, बीकानेर, बाड़मेर के स्थानीय कारीगरों के साथ बातचीत की और उनके काम की सराहना की। उन्होंने 'धरोहर- फिजिटल क्राफ्ट म्यूजियम' का भी दौरा किया।

इसके साथ ही जोधपुर के महाराजा एवं पूर्व सांसद, श्री गज सिंह जी ने भा.प्रौ.सं. जोधपुर परिसर का दौरा किया और "उद्भास-जल और जीवन" के आयोजन के लिए जेसीकेआईएफ और भा.प्रौ.सं. जोधपुर की सराहना की। स्वदेशी हस्तशिल्प एवं शिल्पकारों के संरक्षण और संवर्धन के लिए समर्पित **प्रोजेक्ट क्राफ्ट** के अंतर्गत डॉ. संकल्प प्रताप, डॉ राजेंद्र नागर, और प्रो निमिश वोहरा की देखरेख में एक टॉक सीरीज़ और हैकाथॉन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हैकेथॉन में भा.प्रौ.सं. जोधपुर, राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर और फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट जोधपुर के कई छात्रों ने भाग लिया। ए.आर./वी.आर. तकनीक का उपयोग करके कलाकृतियों का वर्चुअलाइजेशन करने के लिए बनाई गई वीडियो क्लिप का एक नमूना कारीगरों को दिखाया गया और चर्चा सत्र का भी आयोजन हुआ।

साभार: डॉ. जी. एस टोटेजा एवं उद्भास टीम

यूथ कॉन्क्लेव (युवा सम्मेलन)-2022

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने 15 से 18 सितंबर 2022 तक भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी (आईएनएई) के सहयोग से यूथ कॉन्क्लेव 2022 का आयोजन किया। यह यूथ कॉन्क्लेव का पांचवां संस्करण था, और इस कार्यक्रम का विषय/थीम **'सतत भविष्य के लिए उभरती प्रौद्योगिकियां'** था जिसका लक्ष्य राष्ट्र की **प्रौद्योगिकीय आत्मनिर्भरता** को प्राप्त करना है। भा.प्रौ.सं. जोधपुर के 350 से अधिक छात्रों के अलावा, देश भर के लगभग 50 संस्थानों से 320 से अधिक छात्रों ने भाग लिया, जिसमें कुल पंजीकृत सक्रिय प्रतिभागियों की संख्या लगभग 670 थी। इस सम्मेलन को संस्थान के छात्र संगठन द्वारा यूथ कॉन्क्लेव के संरक्षक एवं निदेशक प्रो. शांतनु चौधुरी के समग्र मार्गदर्शन में निष्पादित किया गया।

इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्रों को आईएनएई के फैलो और विभिन्न अभियांत्रिकी, अनुसंधान और विकास, उद्योग और शिक्षा में योगदान देने वाले विशेषज्ञों से संवाद करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच मिला। आईएनएई-एसईआरबी यूथ कॉन्क्लेव 2022 ने देश के उज्ज्वल एवं दूरगामी सोच के इंजीनियरों को अपनी तकनीकी रचनात्मकता को सरलता से व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान किया। यूथ कॉन्क्लेव 2022 के विशिष्ट फोकस क्षेत्र थे - क्वांटम टेक्नोलॉजीज, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल हेल्थकेयर, सस्टेनेबिलिटी के लिए सामग्री, प्रयोगात्मक इंटरफेस, पेयजल और भोजन की स्थिरता : इंजीनियरिंग का एक उभरता हुआ दृश्य।

यूथ कॉन्क्लेव उद्घाटन समारोह और इंजीनियर दिवस के अवसर पर भा.प्रौ.सं. जोधपुर के निदेशक प्रो. शांतनु चौधुरी ने संबोधित करते हुए कहा कि "*हम हमारे देश के सर्वश्रेष्ठ इंजीनियर और भारत रत्न सर एम विश्वेश्वरैया के सम्मान में इंजीनियर दिवस मनाते हैं। इंजीनियर के रूप में हम देश के विकास में हर संभव तरीके से योगदान देने के लिए जिम्मेदार हैं। आईएनएई यूथ कॉन्क्लेव 2022, जिसे आईआईटी जोधपुर द्वारा होस्ट किया जा रहा है, का आयोजन नवोदित इंजीनियरों को प्रोत्साहित करने और उन्हें सफल नवप्रवर्तकों और उद्यमियों के रूप में विकसित करने के लिए किया जा रहा है। हमें यकीन है कि इस तरह की पहल से देश को समृद्धि और विकास के नए युग में ले जाने में मददगार होगी* "

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि, IIT बॉम्बे के पूर्व निदेशक, प्रो देवांग खाखर ने कहा कि "ऐसे प्रगतिशील समय में जहां सब कुछ तकनीक से संबंधित है, वहां हमें यह विचार करने की आवश्यकता है कि हम समाज की बेहतरी के लिए विज्ञान और नए विचारों को एक उपयोगी तकनीक में कैसे अनुवादित करें। हमें इंजीनियरिंग और तकनीकी समाधान विकसित करने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर विचार करना चाहिए और नवीन विचारों को कार्यान्वित करने में उन्नत कंप्यूटरों का उपयोग कैसे कर सकते हैं। "

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान, आईएनएई के अध्यक्ष, प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना ने कहा कि *"आईएनएई अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नीतियां बनाने, अभियांत्रिकी के विभिन्न क्षेत्रों के साथ तालमेल खोजने के साथ-साथ भारत को आत्मनिर्भर बनाने, वैश्विक अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी शक्ति बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की ओर अग्रसर है।"*

भा.प्रौ.सं. जोधपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष डॉ. आर चिदंबरम ने उभरती प्रौद्योगिकी और प्रौद्योगिकी दूरदर्शिता पर अपने संबोधन के दौरान कहा कि *"प्रौद्योगिकी दूरदर्शिता का उपयोग करके विभिन्न तकनीकों का विश्लेषण किया जाना चाहिए ताकि आप स्वयं को यह विश्वास दिला सकें कि ये हमारे देश के लिए आवश्यक हैं। उभरती प्रौद्योगिकियां जिनमें ऊर्जा, स्वास्थ्य और जल, साइबर सुरक्षा, कृषि, जलवायु परिवर्तन, इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सूक्ष्म पैमाने और मध्यम उद्योग, ग्रामीण विकास आदि सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं, जो आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में इंजीनियरों और नवप्रवर्तकों के लिए बड़े अवसर उत्पन्न कर सकते हैं।"*

कॉन्क्लेव के दौरान निम्नलिखित विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:
1. **हैकाथॉन**: प्रतिभागियों ने आयोजकों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं को हल करने के लिए प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट (पीओसी) समाधान के रूप में विकसित किया। 2. **आइडियाथॉन**: यह एक विचार-मंथन प्रतियोगिता थी, जहां विविध ज्ञान पृष्ठभूमि, कौशल और रुचियों वाले प्रतिभागियों ने एक साथ मिलकर पूर्व निर्धारित व्यापक समस्याओं का समाधान किया। 3. **गेम जैम:** यह एक त्वरित अवसरवादी गेम क्रिएशन इवेंट था जहां गेम अपेक्षाकृत कम समय सीमा में दिए गए डिज़ाइन बाधाओं और अंतिम परिणामों की खोज में बनाए गए थे। 4. **स्टार्ट-अप शो केस**: इसमें जिन संस्थापकों ने स्वयं छात्र होने पर नवाचार करना शुरू किया और अपने उद्यम की स्थापना की, उन्होंने उद्यमी बनने की रोमांचक यात्रा पर अपने दृष्टिकोण साझा किए। 5. **रिसर्च स्कॉलर्स द्वारा 3-मिनट थीसिस प्रेजेंटेशन:** इसमें रिसर्च स्कॉलर्स को चुनौती दी गई है कि वे अपने शोध/थीसिस के महत्व को केवल 180 सेकंड में आकर्षक तरीके से प्रस्तुत करें जो गैर-शोध पृष्ठभूमि वाले दर्शकों द्वारा भी पूरा समझा जा सके। 6. **तकनीकी सत्र:** इस कार्यक्रम में तकनीकी अवधारणाओं और विचारों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करने के लिए आमंत्रित विषय विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी वार्ता शामिल थी जिसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने उनके द्वारा लिखित तकनीकी पेपर प्रस्तुत किए।

समापन समारोह के दौरान संबोधित करतते हुए प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना, आईएनएई अध्यक्ष ने यह कहा कि, "आईएनएई यूथ कॉन्क्लेव 2022 का यह संस्करण पूर्व के संस्करणों से बहुत अलग है। इस संस्करण को लिए सफल बनाने में सभी छात्रों के अथक योगदान के लिए मैं भा.प्रौ.सं. जोधपुर का आभारी हूं। इस संस्करण में आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रम नवीन विचारधाराओं पर आधारित थे जिन्हें वास्तविका में साकार करने और समाधान प्रदान करने की हम सभी प्रबल इच्छा रखते हैं। "

साभार: डॉ संकल्प प्रताप एवं यूथ कॉन्क्लेव टीम

सैंडस्टोन सम्मेलन – 3.0

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर ने 23, 24 और 25 सितंबर 2022 को आयोजित वार्षिक बिजनेस कॉन्क्लेव, 'द सैंडस्टोन समिट 3.0' के तीसरे संस्करण की मेजबानी की। सैंडस्टोन सम्मेलन 3.0 का उद्देश्य उद्योग जगत के कुछ सम्मानित गणमान्य व्यक्तियों को अपने व्यावसायिक ज्ञान और अनुभव युवा छात्रों से साझा करने हेतु परिसर में आमंत्रित किया गया। जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन प्रतिभाशाली मस्तिष्कों के अनुभवों से भविष्य के व्यापारिक जगत में छात्र स्वयं को स्थापित करना सीखें। यह सम्मेलन अकादमिक समुदाय, नए जमाने के उद्यमियों, उद्योग जगत के अग्रणी व्यक्तित्वों और निवेशकों को एक समान मंच पर लाने के बारे में था।

सम्मेलन में प्रमुख प्रायोजक अमेरिकन एक्सप्रेस के साथ-साथ गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, कोका-कोला, टाटा टेक्नोलॉजीज, मॉर्गन स्टेनली, रॉयल एनफील्ड, जेपीएमसी, बैन एंड कंपनी, लेनोवो और बायोकॉन बायोलॉजिक्स जैसे बड़ी कंपनियों/संस्थानों के प्रतिनिधियों ने छात्र समुदाय के साथ अपने अनुभव साझा किये। ऑनलाइन सत्र में एयरटेल, कॉग्निजेंट और ब्लैकरॉक के वक्ताओं ने भी अपने विचार छात्रों के समक्ष प्रस्तुत किये।

सम्मेलन का थीम / विषय 'कैनवासिंग विसैनियल सस्टेनेबिलिटी' था। तकनीकी वर्चस्व के उदय के साथ दुनिया की प्रगति की राह तय करने वाले हमारे कार्यों और संघर्षों ने हमारी प्यारी धरती पर अपना प्रभाव डाला है। इसलिए, यह बहुत प्रासंगिक है कि हमारे अगले कदम इन प्रभावों के असर को कम करने और हमारी पृथ्वी को मानव जाति के खतरों से बचाने में मदद करने के लिए होने चाहिए। **"एक्सीलरेट इंडिया: कैनवसिंग विसैनियल सस्टेनेबिलिटी"** सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ने के बारे में है। हमारा राष्ट्र निस्संदेह एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है और अपनी संस्कृतियों एवं परंपराओं की विविधता के बावजूद, हमारे देश के प्रतिभाशाली युवाओं ने एकजुट होकर सतत विकास में भागीदार बन रहे है। हमारे राष्ट्र को विकास का प्रतिमान बनाने हेतु एवं परिवर्तन के लिए उत्प्रेरक सतत, सर्वसम्मत प्रयास की आवश्यकता है। इसलिए हमारा लक्ष्य अपने देश के विकास में तेजी लाने के लिए स्थिरता के बारे में प्रचार भी करना है।

सैंडस्टोन सम्मेलन न केवल भौतिक दुनिया में बल्कि आभासी दुनिया में भी एक बड़ी सफलता थी। द सैंडस्टोन समिट की सोशल मीडिया टीम के प्रयासों को दर्शकों का व्यापक उत्साह और समर्थन प्राप्त हुआ। सैंडस्टोन सम्मेलन एक ऐसा आयोजन था जो सिर्फ 3 दिनों के लिए आयोजित किया गया, लेकिन इससे छात्रों को जो अनुभव और अपार सीख मिली वह दूरगामी एवं दूरदर्शी है।

साभार: डॉ अनुज पाल कपूर एवं टीम सेंडस्टोन

उद्घाटन - सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑफ आर्ट्स एंड डिजिटल इमर्शन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर के स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स (सोला) द्वारा अपने अंतःविषयक कार्यक्रम के अंतर्गत 19 सितंबर 2022 को ***सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर आर्ट्स एंड डिजिटल इमर्शन (एडीआई)*** का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर दो गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, उनमें से एक प्रसिद्ध हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायक पद्मभूषण पंडित अजय चक्रवर्ती तो दूसरे प्रोफेसर आशुतोष शर्मा (सी.वी. शेषाद्री चेयर प्रोफेसर, आईआईटी कानपुर; अध्यक्ष, आईएनएसए; पूर्व सचिव, डीएसटी) जो प्रख्यात वैज्ञानिक एवं भटनागर पुरस्कार विजेता है। पंडित अजय चक्रवर्ती ने उसी शाम भा.प्रौ.सं. जोधपुर में अपनी संगीत प्रस्तुति से माहौल में चार चांद लगा दिए जिसका समस्त कार्मिकों एवं छात्रों ने भरपूर लुफ्त उठाया।

नवीन अनुगम

11.09.2022 से 30.9.2022 की अवधि के अंतर्गत संस्थान में कार्यभार ग्रहण करने वाले संकाय सदस्यों की सूची

पी.एफ. सं.	नाम (डॉ, सुश्री, श्री, श्रीमती)	पदनाम	विभाग / कार्यालय	सेवारंभ तिथि
390	गोपाल रावत	सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	विद्युत अभियन्त्रण विभाग	27-09-2022
391	मोनी कुमारी	सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	गणित विभाग	30-09-2022

हिंदी पखवाड़ा-2022

सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार के कार्यालयों में प्रति वर्ष हिंदी पखवाड़ा अथवा हिंदी माह का आयोजन किया जाता है। पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्थान के संकाय सदस्यों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहन करने हेतु हिंदी पखवाड़ा - 2022 का 14 सितंबर 2022 से 30 सितंबर 2022 के दौरान आयोजन किया गया। हिंदी पखवाडा - 2022 के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं के आयोजन किया गया जिसमें कार्मिकों ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता के विजेताओं को नगद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र दिया गया।

हिंदी पखवाड़ा 2022 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियागिताओं के विजेताओं की सूची-

प्रतियोगिता का नाम	प्रथम	द्वितीय	तृतीय	प्रोत्साहन-1	प्रोत्साहन-2
आशु भाषण	श्रीमती मालती टी	श्री भरत पारीक	डॉ. जयनारायण त्रिपाठी	सुश्री प्रीति हिंगोरानी	श्री पुनीत गर्ग
निबंध लेखन	श्री रवि जांगीड़	श्री धीरज सिंह खंगारोत	श्री सुश्री कंचन मिश्रा	सुश्री टीना सांखला	श्रीमती दीपिका शर्मा
चित्र देखो कहानी लिखो	श्री धीरज उपाध्याय	श्रीमती दीपिका शर्मा	श्री तरूण भाटी	श्री लक्ष्मण सिंह	श्री कौशल यादव
हिन्दी शब्द ज्ञान (केवल ख एवं ग क्षेत्र कार्मिकों के लिए)	श्री देव राजपूत	श्री कमलेशकुमार जे पटेल	श्री इश्मीत सिंह	सुश्री कल्पना दीप	श्रीमती टी माधवी लता
हास्य/व्यंग्य/कविता	श्री गोपाल भोमिया	श्रीमती मालती टी	श्री नीरज कुमार	श्री धीरज सिंह खंगारोत	श्रीमती त्रिलोतमा सिंह

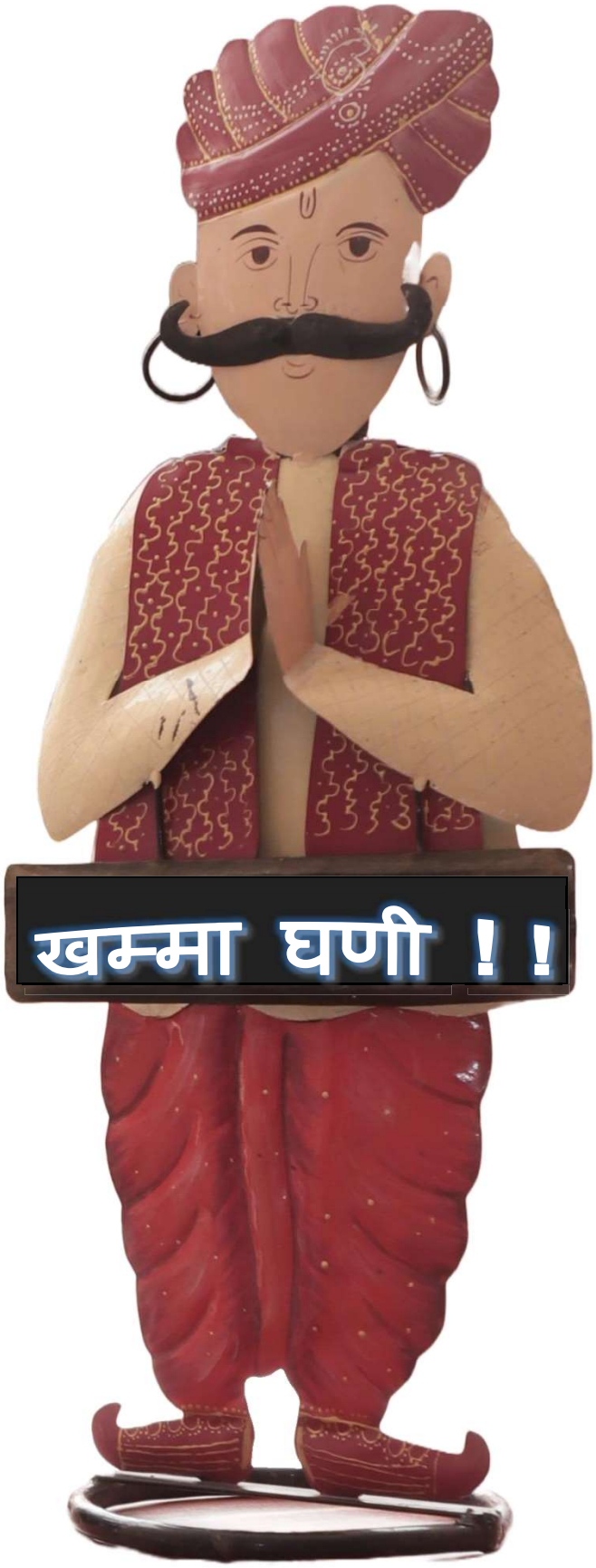

राजभाषा कार्यान्वयन समिति
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर द्वारा प्रकाशित
सर्वाधिकार सुरक्षित © 2022

प्रबंध सम्पादक
डॉ. श्रीमती क्षेमा प्रकाश, उपपुस्तकालयाध्यक्षा

प्रकाशन सहायता
श्री अशोक गहलोत

संपर्क
हिंदी कार्यालय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जोधपुर
राष्ट्रीय राजमार्ग 62, नागौर रोड, करवड,
जोधपुर 342030